Seat No. : _____

JM-246

March-2013

Hindi

Paper-VI

मध्यकालीन काव्य

Time : 3 Hours] **[Max. Marks : 70**

१. ससंदर्भ व्याख्या कीजिए : **२१**

(अ) माया मुंई न मन मुवा मरि मरि गया सरीर ।
आसा त्रिस्ना ना मुई, यूं कह गया कबीर ।।
माया तरवर त्रिविध का, साखा दुख संताप ।
सीतलता सुपिने नहीं, फल फीका तनि ताप ।।

अथवा

चढ़ा असाढ़, गगन घन गाजा, साजा बिरह दुंद दल बाजा ।
धूम, साम, धैरि घन धाए, सेत धजा नग पांति देखाए ।।
खड़गा बिजु चमकै चहुँ ओरा, बुद बान नरसिंह घन घोरा ।।
ओनई घटा आइ चहुँ फेरी, कहु उबारू मदन हौं घेरी ।
दादुर मोर कोकिला, पीऊ, गिरै बीजु, घट रहे न जीऊ ।।

(ब) कबहूँ ससि मागत आरि करैं कबहूँ प्रतिबिंब निहारि डरै ।
कबहूँ करताल बजाइकै नाचत मातु सबै मन मोद भरैं ।।
कबहूँ रिसिआइ कहैं हठिकै पुनि लेत सोई जेहि लागि अरै ।
अवधेस के बालक चारि सदा तुलसी-मन मंदिर में बिहरै ।।

अथवा

बूझत स्याम कौन तू गोरी ।
कहाँ रहति, काकी है बेटी, देखो नाहिं कबहूँ ब्रज-खोरी ।।
काहे कौं हम ब्रज-तन आवतिं, खेलति रहतिं आपनी पौरी ।।
सुनत रहति स्रवननि नंद-ढोटा, करत फिरत माखन-दधि-चोरी
तुम्हरौं कहा चोरि हम लैहैं, खेलन चलो संग मिलि जोरी
सूरदास प्रभु रसिक-सिरोमनी, बातनि भुरइ राधिका भोरी

(स) बतरस-लालच लाल की मुरली धरी लुकाय ।
सौंह करै भौंहनि हँसै दैन कहै नटि जाय ।।
कहत नटत रीझत खिझत मिलत खिलत लजियात ।
भरे भौन मै करत हैं नैननि ही सो बात ।।

अथवा

क्यौं हँसि हेरि हरयौ हियरा अरू क्यौं हितकै चित चाह बढ़ाई ।
काहे को बेलि सुधासने बैननि चैननि मैन निसैन चढ़ाई ।
सो सुधि मो हिय मैं घन आनंद सालति क्यों हूँ कढै न कढाई
गीत सुजल अनीत की पाटी, इते पै न जानियै कौने पढ़ाई ।।

२. "प्रेम की पीड़ा घनानंद की कविता का प्राण-त्तत्त्व है ।" – इस कथन की उदाहरण देते हुए पुष्टि कीजिए । १२

अथवा

तुलसी की दास्य-भक्ति का जीता जागता उदाहरण विनय-पत्रिका है । इस कथन की सोदाहरण समीक्षा कीजिए ।

३. "बिहारी मूलतः श्रृंगारिक कवि हैं ।" पाठ्यक्रम में संकलित अंशों के आधार पर इस कथन की सोदाहरण समीक्षा कीजिए । १२

अथवा

नागमती का वियोग उत्कृष्ट कोटि का है । पठित अंश के आधार पर स्पष्ट कीजिए ।

४. टिप्पणियाँ लिखिये : (किन्हीं **दो** पर) १०

(१) कबीर की भक्तिभावना
(२) सूर का बाल-वर्णन
(३) भ्रमरगीत प्रसंग
(४) तुलसी की समन्वय भावना

५. सूचनानुसार कीजिए :

(अ) निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर **एक-एक** वाक्य में दीजिए : ५

(१) बिहारी रचित ग्रन्थ का नाम बताइये ।
(२) कबीर का जन्म कब हुआ था ?
(३) घनानन्द किस बादशाह के मीर मुंशी थे ?
(४) सूर ने किससे दीक्षा ली थी ?
(५) तुलसी के काव्य की भाषा क्या है ?

(ब) सही विकल्प चुनकर रिक्त स्थान की पूर्ति कीजिए : ५

(१) जायसी रचित पद्मावत के नायक का नाम _____ है ।
(रत्नसेन, नारायण, जयसिंह)
(२) सूरदास का जन्म _____ गाँव में हुआ था ।
(रामपुर, सीही, अवध)
(३) जयपुर के महाराज _____ ने बिहारी की प्रतिभा से प्रभावित होकर उन्हें अपना दरबारी कवि बनाया ।
(जयसिंह, मानसिंह, रत्नसेन)
(४) कबीर की भाषा को _____ कहा गया है ।
(सधुक्कड़ी, अवधी, कच्छी)
(५) _____ तुलसीदास की कीर्ति का सर्वोच्च शिखर है ।
(सतसई, रामचरितमानस, इश्कलता)

(स) सही जोड़े मिलाइये : ५

अ	**ब**
(१) आखिरी कलाम	(i) कबीर
(२) कवितावली	(ii) सूरदास
(३) बीजक	(iii) घनानंद
(४) साहित्य लहरी	(iv) तुलसीदास
(५) इश्कलता	(v) जायसी
	(vi) देव